बी0ए0 शिक्षाशास्त्र–2012
नियमावली एवं पाठ्यक्रम

प्रवेश अर्हता– वे अभ्यर्थी जो किसी मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्था से इण्टरमिडिएट या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हैं, संस्थागत छात्र के रूप में स्नातक कक्षा में शिक्षाशास्त्र विषय ले सकेंगे।

पाठ्यक्रम– बी0ए0 शिक्षाशास्त्र पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में दो, द्वितीय वर्ष में दो और तृतीय वर्ष में तीन सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र होंगे। तीनों वर्षों के सभी सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र के लिए अलग–अलग 75 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार बी0ए0 प्रथम वर्ष के दोनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (75+75)=150 तथा प्रयोगात्मक कार्य 50 अंक, बी0ए0 द्वितीय वर्ष के दोनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (75+75)=150 तथा प्रयोगात्मक कार्य 50 अंक तथा बी0ए0 तृतीय वर्ष के तीनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (75+75+75)=225 तथा प्रयोगात्मक कार्य 75 अंकों का होगा। अभ्यर्थी को उत्तीर्ण होने के लिए सैद्धान्तिक तथा प्रयोगात्मक प्रश्नपत्रों में अलग–अलग 36 प्रतिशत अंक या स्नातक परीक्षा के सम्बन्ध में जैसा समय–समय पर विश्वविद्यालय निर्धारित करे, अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

बी0ए0 प्रथम वर्ष	प्रथम प्रश्नपत्र	शिक्षा एवं भारतीय समाज (Education & Indian Society)	75
	द्वितीय प्रश्नपत्र	शिक्षा मनोविज्ञान (Psychology of Education)	75
	तृतीय प्रश्नपत्र	प्रयोगात्मक कार्य (Practical work)	50
बी0ए0 द्वितीय वर्ष	प्रथम प्रश्नपत्र	भारतीय शिक्षा का इतिहास (History of Indian Education)	75
	द्वितीय प्रश्नपत्र	शिक्षा में नवीन प्रवृत्तियाँ (New Trends in Education)	75
	तृतीय प्रश्नपत्र	प्रयोगात्मक कार्य (Practical work)	50
बी0ए0 तृतीय वर्ष	प्रथम प्रश्नपत्र	बाल विकास (Child Development)	75
	द्वितीय प्रश्नपत्र	शिक्षा में मापन, मूल्यांकन एवं सांख्यिकी (Measurment, Evaluation & Statistics in Education)	75
	तृतीय प्रश्नपत्र	शिक्षादर्शन एवं शिक्षाशास्त्री (Philosophy of Educaion & Educationists)	75
चतुर्थ प्रश्नपत्र	प्रयोगात्मक कार्य	(Practical work)	75

प्रायोगिक कार्य एवं मौखिकी– विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त एक वाह्य एवं एक आन्तरिक परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से प्रायोगिक एवं मौखिकी परीक्षा सम्पन्न करायी जायेगी जो विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार प्रत्येक अभ्यर्थी के प्रायोगिक कार्य का मूल्यांकन करते हुए अंक प्रदान कर अंकपत्र प्रस्तुत करेंगे जिन्हें सम्मिलित करते हुए परीक्षा फल की घोषणा की जायेगी।

प्रवेश संख्या, प्रवेश प्रक्रिया एवं शुल्क संरचना विश्वविद्यालय द्वारा समय–समय पर निर्धारित नियमों (विशेष रूप से स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम) के अनुरूप होगी।

बी0ए0 प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्नपत्रः शिक्षा एवं भारतीय समाज

इकाई 1.1. शिक्षा–अर्थ, उद्देश्य, विषय क्षेत्र, शिक्षा के प्रकार : औपचारिक, अनौपचारिक एवं औपचारिकेतर शिक्षा।

1.2. शिक्षा के अभिकरण– विद्यालय, परिवार, राज्य एवं समाज।

इकाई 2.1. पाठ्यचर्या– अर्थ, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या में अन्तर, पाठ्यचर्या के प्रकार, पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धान्त।

2.2. शिक्षा में स्वतन्त्रता एवं अनुशासन, शैक्षिक अवसरों की समानता।

इकाई 3.1. शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन, शिक्षा एवं सामाजिक गतिशीलता।

3.2. शिक्षा एवं संस्कृति, शिक्षा एवं आधुनिकीकरण।

इकाई 4.1. राष्ट्रीय एकीकरण एवं अन्तर्राष्ट्रीय अवबोध के लिये शिक्षा।

4.2. शैक्षिक नियोजन : अर्थ, सिद्धान्त, महत्व एवं शैक्षिक योजना के प्रकार।

अध्ययन ग्रन्थ

- ओड, एल0के0 (2004), शिक्षा की दार्शनिक पृष्ठभूमि, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
- चतुर्वेदी, सीताराम (1970), शिक्षा दर्शन, राज्य हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
- तनेजा, वी0आर0 (1979), सोशियो–फिलासफिकल एप्रोच टू एजूकेशन, एटलांटिक पब्लिकेशन. दिल्ली।
- पाण्डेय, के0पी0 (1983) , पर्सपेक्टिव इन सोशल फाउन्डेशन आफ एजुकेशन, अमिताभ प्रकाशन, दिल्ली।
- पाण्डेय, के0पी0 (2011), शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- पाण्डेय, रामशकल (1983), शिक्षा दर्शन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
- बेकर, जॉन0एल0 (1980), मार्डन फिलासफीज ऑफ एजुकेशन, टाटा मैग्राहिल।

बी0ए0 प्रथम वर्ष

द्वितीय प्रश्नपत्रः शिक्षा मनोविज्ञान

इकाई 1.1 शिक्षा मनोविज्ञान– अर्थ, प्रकृति, विषय क्षेत्र, अध्ययन की विधियाँ।

1.2. वृद्धि एवं विकास–अर्थ, शैशवावस्था, बाल्यावस्था व किशोरावस्था में बौद्धिक, सामाजिक, मानसिक एवं सांवेगिक विकास : प्रमुख विशेषताएँ।

इकाई 2.1. अधिगम (सीखना)– अर्थ, प्रकार, अधिगम के सिद्धान्त, शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धान्त, क्रिया प्रसूत अनुबन्धन, प्रयास एवं त्रुटि सिद्धान्त, अन्तर्दृष्टि सिद्धान्त।

2.2. अभिप्रेरणाः अर्थ, प्रकार, छात्रों को अभिप्रेरित करने वाले कारक एवं इसका शैक्षिक निहितार्थ। अधिगम का स्थानान्तरणः अर्थ, प्रकार, सिद्धान्त, अधिगम के स्थानान्तरण को प्रभावित करने वाले कारक।

इकाई 3.1. बुद्धिः अर्थ, सिद्धान्त एवं मापन, सृजनात्मकता : अर्थ, स्वरूप तथा इसके विकास हेतु शैक्षिक प्रावधान।

3.2. स्मृति –अर्थ तथा स्मृति को उन्नत करने की विधियाँ, विस्मृति का अर्थ एवं कारण, प्रत्यक्षीकरण, तर्क एवं प्रत्यय निर्माण।

इकाई 4.1. व्यक्तित्वः अर्थ, प्रकार, व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक, समायोजन एवं मानसिक स्वास्थ्यः अर्थ एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक।

4.2. विशिष्ट बालक : प्रतिभाशाली बालक, पिछड़े बालक, मंदितमना एवं वंचित बालकः विशेषता एवं इनकी शिक्षा व्यवस्था, समेकित शिक्षा।

<u>अध्ययन ग्रन्थः</u>

- माथुर, एस0एस0 (2012), शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- गुप्ता, एस0पी0 एवं गुप्ता अलका (2004), उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
- जायसवाल, सीताराम (2010), व्यक्तित्व का मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
- दत्त, एन0के0 (1974), द साइकोलॉजिकल फाउन्डेशन्स ऑफ एजुकेशन, दोआबा हाउस दिल्ली।
- पाण्डेय, के0 एवं श्रीवास्तव एस0एस0 (2005), शिक्षा मनोविज्ञान, भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि, मैग्राहिल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- पाण्डेय, के0पी0 (2007), नवीन शिक्षा मनोविज्ञान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- सिंह, अरूण कुमार (2007), शिक्षा मनोविज्ञान, भारती भवन पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
- लाल, रमन बिहारी एवं पलोड सुनीता (2011), शिक्षा मनोविज्ञान, आर0लाल बुक डिपो, मेरठ।

बी0ए0 प्रथम वर्ष

तृतीय प्रश्नपत्र

(समस्त छात्रों के लिये अनिवार्य)

1. अधोलिखित मनोवैज्ञानिक सम्प्रत्ययों में से प्रत्येक पर एक प्रयोग–

(क) प्रत्यक्षीकरण

(ख) स्मृति

(ग) अधिगम का स्थानान्तरण

(घ) बुद्धि

(ड) व्यक्तित्व

2. किसी एक शैक्षिक संस्था का व्यष्टि अध्ययन एवं तत्सम्बन्धित प्रतिवेदन प्रस्तुतीकरण।

नोट–:

1. प्रयोगात्मक परीक्षा में दो मनोवैज्ञानिक सम्प्रत्ययों पर प्रयोग करना अनिवार्य होगा।

(15 + 15 = 30)

2. प्रयोगात्मक अभिलेख एवं मौखिकी– (10 + 10 = 20)

कुल योग– = 50

B.A (Education) Rules and Syllabus-2012

Admission eligibility- those applicants who have passed intermediate or any other same level examination are eligible to select education as a subject in B.A. (regular).

Duration- duration of B.A. (Education) course would be of three years.

Syllabus- there will be two theory papers in first year, two in second year and three theory papers in third year of B.A. (Education). Each theory papers of all the three years will be of 75 marks. In this way two theory papers of first year would be of (75+75) =150 marks and practical would be of 50 marks, two theory papers of second year would be of (75+75) =150 marks and practical would be of 50 marks and three theory papers of third year would be of (75+75+75) =225 marks and practical would be of 75 marks. In order to pass the examination student will have to secure 36 percent marks separately in each theory paper and in practical also. However it may be change by the university from time to time.

B.A. first year	First paper	Education and Indian Society	75
	Second paper	Psychology of Education	75
	Third paper	Practical	50
B.A. second year	First paper	History of Indian Education	75
	Second paper	New Dimensions in Education	75
	Third paper	Practical	50
B.A. third year	First paper	Child Development	75
	Second paper	Measurement, Evaluation and Statistics in Education	75
	Third paper	Philosophy of Education and Educationists	75
	Forth paper	Practical and Viva	75

Practical and Viva voci examination would be conducted by an external examiner appointed by university together with an internal examiner. They will evaluate to the practical work done by the student and submit award list to the university. Final result would include practical and theory marks obtained by the student.

For the programme at under graduate level, number of students, admission procedure and fee structure will be as per university norms.

B.A. first year

First paper: Education and Indian Society

Unit-1-1- Education- meaning, aims, scope, types of education: formal, informal and non formal education.

1-2- Agencies of education- school, family, state and society.

Unit-2-1- Curriculum: meaning, difference between curriculum and syllabus, types of curriculum, principles of curriculum construction.

2-2- Freedom and discipline in education, equality of educational opportunities.

Unit-3-1- Education and social change, Education and social mobility.

3-2- Education and culture, Education and Modernization.

Unit-4-1- Education for national integration and International understanding.

4-2- Educational planning: meaning, principles, importance and types of educational plans.

Second paper

Psychology of Education

Unit-1-1- Educational psychology**:** meaning, nature, scope, methods of study.

1-2- Growth and development: meaning, cognitive, social, mental and emotional development in infancy, childhood, and adolsence.

Unit-2-1- Learning: meaning, types, theories of learning-classical conditioning theory, operant conditioning theory, trial and error theory and insight theory.

2-2- Motivation: meaning, types, motivating factors for students and their educational implications. Transfer of learning: meaning, types, theories, factors affecting transfer of learning.

Unit-3-1- Intelligence: meaning, theories and measurement, Creativity: meaning, nature and educational measures for its development**.**

3-2- Memory: meaning and methods for its development. Meaning and reasons of forgetting, perception, reasoning and concept formation.

Unit-4-1- Personality: meaning, types, factors affecting personality, adjustment and mental health: meaning and factors affecting mental health.

4-2- Special children: Gifted children, backward children. Mentally retarded and deprived children: characteristics and educational arrangements for them. Inclusive Education.

Third paper

Practical

1- One experiment each on following psychological concepts-

a. perception
b. memory
c. transfer of learning
d. intelligence
e. personality

2- Case study of one educational institution and presentation of related report.

Note:-

1- It is mandatory to complete atleast two practicals on any of the two psychological concepts in the practical examination. (15 + 15 = 30)

2- Documents related to practical and viva. (10 + 10 = 20)

Total = 50

बी0ए0 शिक्षाशास्त्र
नियमावली एवं पाठ्यक्रम

प्रवेश अर्हता– वे अभ्यर्थी जो किसी मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्था से इण्टरमिडिएट या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हैं, संस्थागत छात्र के रूप में स्नातक कक्षा में शिक्षाशास्त्र विषय ले सकेंगे।

पाठ्यक्रम– बी0ए0 शिक्षाशास्त्र पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में दो, द्वितीय वर्ष में दो और तृतीय वर्ष में तीन सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र होंगे। तीनों वर्षों के सभी सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र के लिए अलग–अलग 75 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार बी0ए0 प्रथम वर्ष के दोनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (75+75)=150 तथा प्रयोगात्मक कार्य 50 अंक, बी0ए0 द्वितीय वर्ष के दोनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (75+75)=150 तथा प्रयोगात्मक कार्य 50 अंक तथा बी0ए0 तृतीय वर्ष के तीनों सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (75+75+75)=225 तथा प्रयोगात्मक कार्य 75 अंकों का होगा। अभ्यर्थी को उत्तीर्ण होने के लिए सैद्धान्तिक तथा प्रयोगात्मक प्रश्नपत्रों में अलग–अलग 36 प्रतिशत अंक या स्नातक परीक्षा के सम्बन्ध में जैसा समय–समय पर विश्वविद्यालय निर्धारित करे, अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

बी0ए0 प्रथम वर्ष	प्रथम प्रश्नपत्र	शिक्षा एवं भारतीय समाज (Education & Indian Society)	75
	द्वितीय प्रश्नपत्र	शिक्षा मनोविज्ञान (Psychology of Education)	75
	तृतीय प्रश्नपत्र	प्रयोगात्मक कार्य (Practical work)	50
बी0ए0 द्वितीय वर्ष	प्रथम प्रश्नपत्र	भारतीय शिक्षा का इतिहास (History of Indian Education)	75
	द्वितीय प्रश्नपत्र	शिक्षा में नवीन प्रवृत्तियाँ (New Trends in Education)	75
	तृतीय प्रश्नपत्र	प्रयोगात्मक कार्य (Practical work)	50
बी0ए0 तृतीय वर्ष	प्रथम प्रश्नपत्र	बाल विकास (Child Development)	75
	द्वितीय प्रश्नपत्र	शिक्षा में मापन, मूल्यांकन एवं सांख्यिकी (Measurment, Evaluation & Statistics in Education)	75
	तृतीय प्रश्नपत्र	शिक्षादर्शन एवं शिक्षाशास्त्री (Philosophy of Educaion & Educationists)	75
	चतुर्थ प्रश्नपत्र	प्रयोगात्मक कार्य (Practical work)	75

प्रायोगिक कार्य एवं मौखिकी– विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त एक वाह्य एवं एक आन्तरिक परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से प्रायोगिक एवं मौखिकी परीक्षा सम्पन्न करायी जायेगी जो विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार प्रत्येक अभ्यर्थी के प्रायोगिक कार्य का मूल्यांकन करते हुए अंक प्रदान कर अंकपत्र प्रस्तुत करेंगे जिन्हें सम्मिलित करते हुए परीक्षा फल की घोषणा की जायेगी।

प्रवेश संख्या, प्रवेश प्रक्रिया एवं शुल्क संरचना विश्वविद्यालय द्वारा समय–समय पर निर्धारित नियमों (विशेष रूप से स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम) के अनुरूप होगी।

बी0ए0 द्वितीय वर्ष
प्रथम प्रश्नपत्र
भारतीय शिक्षा का इतिहास

इकाई 1.1. वैदिक एवं बौद्ध कालीन शिक्षा एवं इसकी प्रमुख विशेषतायें।

1.2. मध्य कालीन शिक्षा एवं इसकी प्रमुख विशेषतायें।

इकाई 2.1. औपनिवेशिक शिक्षा व्यवस्था : चार्टर एक्ट, मैकाले का विवरण पत्र एवं वुड का घोषणा पत्र।

2.2. हण्टर आयोग एवं गोखले बिल।

इकाई 3.1 सैडलर आयोग एवं हर्टांग समिति।

3.2 वर्धा शिक्षा योजना एवं सार्जेन्ट योजना।

इकाई 4.1 विश्वविद्यालय आयोग (1948–49) एवं माध्यमिक शिक्षा आयोग (1952–53)।

4.2 शिक्षा आयोग (1964–66) एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति, (1986) तथा समीक्षा समिति रिपोर्ट(आचार्य राममूर्ति कमेटी 1990), संशोधित शिक्षा नीति (1992) राष्ट्रीय ज्ञान आयोग (2005)।

अध्ययन ग्रन्थ:

- जौहरी, वी0पी0 एवं पाठक पी0डी0 (2011), भारतीय शिक्षा का इतिहास और उसकी समस्याएं, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- पाण्डेय, रामशकल एवं मिश्र करूणा शंकर (1990), भारतीय शिक्षा की ज्वलन्त समस्याएँ, वोहरा पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीव्यूटर्स, इलाहाबाद।
- पाठक, पी0डी0 (1974), भारतीय शिक्षा एवं उसकी समस्याएँ, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- श्रीवास्तव, जे0पी0 एवं ओबराय एस0सी0 (1993), आधुनिक भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएँ, लायल बुक डिपो, मेरठ।
- भटनागर, सुरेश एवं धर्मेन्द्र (2011), भारतीय शिक्षा का इतिहास एवं वर्तमान समस्याएँ, आर0 लाल बुक डिपो, मेरठ।
- गुप्ता, एस0पी0 (2005), भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्याएँ, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
- कपूर, उर्मिला (2010), भारतीय शिक्षा इतिहास और समस्याएँ, साहित्य प्रकाशन आगरा।
- शर्मा, आर0ए0 (2007), भारतीय शिक्षा प्रणाली का विकास, आर0 लाल बुक डिपो, मेरठ।

बी0ए0 द्वितीय वर्ष
द्वितीय प्रश्नपत्र
शिक्षा में नवीन प्रवृत्तियाँ

इकाई 1.अ. शैक्षिक तकनीकीः अर्थ, विशेषताएं, प्रकार, उपागम– हार्डवेयर, साफ्टवेयर एवं प्रणाली उपागम, शिक्षा में श्रव्य–दृश्य सामग्री एवं इनका महत्व।

ब. सम्प्रेषण तकनीकी : सम्प्रेषण–सम्प्रत्यय, आवश्यकता एवं प्रक्रिया, शिक्षा में सम्प्रेषण की उपयोगिता।

इकाई 2.अ. अभिक्रमित अनुदेशन– तात्पर्य, विशेषता, सिद्धान्त, प्रकार–रेखीय अभिक्रम, शाखीय अभिक्रम, शिक्षा में इनका महत्व।

ब. कम्प्यूटर सहअनुदेशन–तात्पर्य एवं विशेषताएं, कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर स्वरूप, विशेषताएं एवं अनुप्रयोग तथा इनका शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई 3.अ. शिक्षा में नवाचारः अर्थ एवं प्रकार, बहुमाध्यम उपागम, कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन, सैटेलाइट सम्प्रेषण, इ–मेल, इ–लर्निंग, आभासी शिक्षा।

ब. सामूहिक एवं व्यक्तिगत अनुदेशन प्रणाली, टेलीविजन, इण्टरनेट।

इकाई 4.अ. दूरस्थ शिक्षाः सम्प्रत्यय, आवश्यकता, महत्व, खुला विश्वविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा के लाभ एवं सीमायें।

ब. भूमण्डलीकरण, उदारीकरण तथा निजीकरण के सम्बन्ध में शिक्षा व्यवस्था।

अध्ययन ग्रन्थः

- पाण्डेय, सरला एवं उपाध्याय आर0 (2001), शैक्षिक तकनालॉजी के आयाम, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- पाण्डेय, के0पी0 (2011), शिक्षण अधिगम की तकनालाजी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- मित्तल, सन्तोष (1995), शैक्षिक तकनीकी, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
- सिंह, त्रिभुवन एवं सिंह प्रभाकर (1984), शिक्षण अभ्यास के सोपान, भारत भारती प्रकाशन, जौनपुर।
- सम्पत, के0 तथा अन्य (1988), इन्स्ट्रक्शन टू एजुकेशनल तकनालाजी, नयी दिल्ली स्टर्लिंग पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड।
- शर्मा आर0ए0 (2002), शिक्षा के तकनीकी आधार, आर0 लायल बुक डिपो, मेरठ।
- कुलश्रेष्ठ, एस0पी0 (2005), शैक्षिक तकनीकी के मूल आधार, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

बी0ए0 द्वितीय वर्ष
तृतीय प्रश्नपत्र
प्रयोगात्मक कार्य

प्रत्येक छात्र को सत्र के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रयोगात्मक कार्य करना होगा :–

1. शिक्षाशास्त्र विषय में किसी एक प्रकरण पर अभिक्रमित अनुदेशन का निर्माण
2. दूरदर्शन या आकाशवाणी के किसी शैक्षिक प्रसारण का समीक्षात्मक अध्ययन (प्रसारण केन्द्र, दिनांक, समय, प्रसारण अवधि सहित)।
3. शैक्षिक विकास पर चार्ट निर्माण करना।
4. ओवरहेड प्रोजेक्टर का शैक्षिक कार्यक्रम में उपयोग।
5. टेपरिकार्डर का शैक्षिक कार्यक्रम में उपयोग।

नोट– उपर्युक्त निर्धारित प्रायोगिक कार्यों की अभिलेख पंजिका बनाना प्रत्येक छात्र के लिए अनिवार्य होगा जिसके आधार पर आवश्यकतानुसार क्रियात्मक एवं मौखिक ढंग से आन्तरिक और वाह्य परीक्षक मूल्यांकन करेंगे।

B.A. IInd year

First paper

History of Indian Education

Unit-1-1- Education in Vedic period and Buddist period and its characteristics.

1-2- Medieval education and its characteristics

Unit-2-1- Education in colonial period: Charter act, Macauley's minute, and wood's dispatch.

2-2- Hunter commission and Gokhle's bill.

Unit-3-1- Sadler commission and Hartog committee.

3-2- Vardha scheme of education and Sargent plan.

Unit-4-1- University education commission (1948-49) and Secondary education commission (1952-53).

4-2- Education commission (1964-66) and National Policy of Education (1986) and report of review committee (Acharya Rammurtee committee 1990), Revised policy of education (1992), National Knowledge Commission (2005).

Reference Books:

- Gupta, Manju- Education in India. K.S.K.Publishers.
- Gupta, S.B., Bharatiya shiksha ka itihas awam samasyayen.
- Mishra, S.K. & Pandey, R.S., Bharatiya shiksha ki sumsamayik samasyayen.
- Mukerji, S.N.- Education in India: Today and Tomorrow. Vinod Pustak Mandir Agra.
- Pathak, P.D. & Tyagi, Gurusaran, Bharatiya shiksha ka itihas awam samasyayen.
- Ranga Rao N.V., Bhatia K.K.- Teacher and Education in Emerging Indian Society. Vinod Publishers, Meerut.
- Ruhela, S.P.- Futurology of Education. International Publishing house.
- Sarswat, Malti, Bharatiya shiksha ka vikas awam samasyayen.

B.A. IInd year

Second paper

New Dimensions in Education

Unit-1-1- Education Technology: meaning, characteristics, types, approaches-hardware, software and system approach, Audio- visual aids in education and their significance.

1-2- Communication Technology- communication concept, need, utility of communication in education.

Unit-2-1- Programmed learning: meaning, characteristics, principles, types-linear and branching programme it's importance in education.

2-2- Computer assisted learning: meaning and importance, computer hardware and software forms, characteristics and implication in education.

Unit-3-1- Innovations in education: meaning and type, multi media approach, computer assisted instruction, satellite communication, e-mail, e-learning, virtual education.

3-2- Group and personalized instruction system, television, internet.

Unit-4-1- Distance education: concept, need, significance, Open University, merits and limitations of distance education.

4-2- Education in relation to globalization, liberalization and privatization.

Reference Books-

- Bhatnagar, R.P.- Educational Technology and Management, Layal Publication, Meerut.
- Chauhan, S.S.- Innovations in Teaching-Learning Process.
- Sharma, R.A. - Technological Foundation of Education, R.Lal Publication, Meerut.
- Vanaja M., - Educational Technology, Neel Kamal Publication, New Delhi.

B.A. IInd year

Third paper

Practical

Each students will have to complete the following practical works during the session:

6- Construction of programme learning material on any one topic of education.

7- Critical evaluation of any one educational programme broadcasted on radio or telecasted from T.V. (mentioning centre, time, date and duration of broadcast or telecast).

8- Preparation of chart on educational development.

9- Use of Over-head projector in educational programme.

10- Use of tape recorder in educational programme.

Note-: It is mandatory for every student to maintain a file of above stated practical works. On the basis of which external and internal examiners will evaluate in written and oral form as they feel necessary.